बरेली, शनिवार
1 मई, 2021
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 2.00
पृष्ठ 14

दैनिक जागरण

Page No ;05 Left Middle

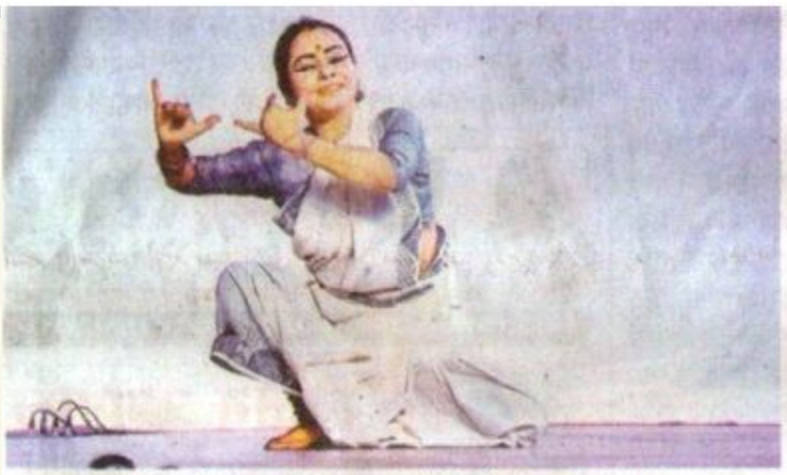

एसआरएमएस रिद्धिमा में भरतनाट्यम प्रस्तुत करती अंबाली प्रहराज • सौ .एसआरएमएस

मन और मस्तिष्क को दुरुस्त रखता है नृत्य

जासं, बरेली : एसआरएमएस रिद्धिमा में विश्व नृत्य दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें सिर्फ संस्थान के गुरुजनों ने शिरकत की। कथक गुरु अमृत मिश्रा ने बताया कि नृत्य एक ऐसा साधन है जो मन, मस्तिष्क और चेतना को दुरूस्त रखता है तथा मनुष्य के शरीर में सकारात्मक तरंगों का संचरण करता है। कार्यक्रम का शुभारंभ शिवांगी मिश्रा द्वारा संस्थान गीत से किया गया। कार्यक्रम के दूसरे हिस्से में श्रेयसी मुंशी द्वारा घर मोरे परदेसिया पर श्रृगांरिक प्रस्तुति की गई। कार्यक्रम का समापन अंबाली प्रहराज द्वारा मथुरा नगरपति काहे तुम गोकुल जाओ गीत पर भरतनाट्यम की भावपूर्ण प्रस्तुति से हुआ। इस दौरान सितार पर कुंवरपाल, तबले पर शिवशंभू कपूर और आनन्द मिश्रा, पखावज पर अमृत मिश्रा, हारमोनियम पर जर्नादन एवं मोहित ने संगत दी। संचालन आशीष कुमार ने किया।